

>

Title: Regarding problems of technicians in Safdarjung hospital, New Delhi.

**श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) :** आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहती हूँ। आप सब जानते हैं कि दिल्ली में हिन्दुस्तान के बेहतरीन अस्पताल हैं। यहां ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ है और सामने ही सफदरजंग अस्पताल भी है।

अध्यक्ष जी, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि बहुत सारी बुराइयों को समाप्त करने का मौका हमारी सरकार को मिला। सफदरजंग अस्पताल में एक ऐसी ही गलत प्रथा चल रही है, जो कि ठीक एम्स के सामने है। वहां 500 ऑपरेशन्स रोज होते हैं और रोज 100 बच्चों का जन्म होता है, डिलीवरी होती है। इसके अलावा कई हज़ार मरीज रोज वहां ओपीडी में आते-जाते हैं, वह एक अलग हिसाब है। वहां नो रिटर्न, नो रिफ्यूज़ल पॉलिसी है। अस्पताल किसी को मना नहीं कर सकता, चाहे स्ट्रेचर पर लिटाकर आपको किसी का इलाज करना पड़े, आप इलाज करेंगे।

**19.00 hrs**

ऑक्सीजन चलाने से लेकर ऑपरेशन थियेटर का मैनेजमेंट, लैब इंचार्ज आदि ये सब जो व्यवस्थाएं हैं, वे लैब असिस्टेंट और ओ.टी. असिस्टेंट करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि दो-तीन दशकों से वहां पर कोई पे-स्केल मुकर्रर नहीं हुआ है और 5वें सेंट्रल पे कमीशन की जो रिक्वेस्ट थी, उसके अंदर उन्होंने कहा कि 5000 रुपये से 8000 हजार रुपये का पे स्केल इनको मिलना चाहिए। वह इनको आज तक मुहैया नहीं करवाया जा रहा है, बल्कि उनकी तकलीफें इतनी ज्यादा हैं कि दिन-रात काम करने के बाद भी जो ठेकेदारी व्यवस्था है, उसके माध्यम से लोग लगे हुए हैं, जो वहां 20-20 साल से काम कर

रहे हैं । मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि ओ.आर.ओ.पी., एन.एफ.यू. इत्यादि इतनी सारी समस्याओं को इस सरकार ने सुलझाया है, तो एक ओ.टी. टैक्निशियंस की समस्या को भी सुलझा दें । आपको बहुत-बहुत आभार ।

**माननीय अध्यक्ष :** श्रीमती रेखा वर्मा व कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।